NEWS CLIPPING: 15.01.2021

PUNJAB KESARI

सिविल इंजीनियरिंग एवं पर्यावरण विज्ञान की उन्नत तकनीकों पर राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भौतिक तथा आर्थिक विकास में सिविल इंजीनियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

फरीदाबाद, 14 जनवरी (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हो गया। इस सम्मेलन शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग ले रहे है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सीएसआईआर-एनईईआरआई दिल्ली जोनल सेंटर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके गोयल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से प्रो. केएन झा, भारतीय भवन कांग्रेस, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे।

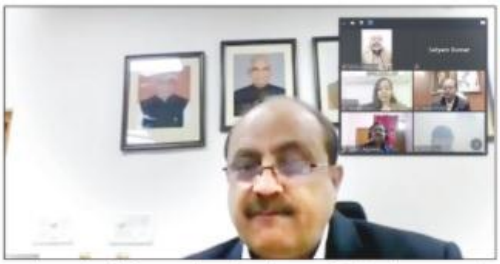

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केयु के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा एवं कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, जो सिविल इंजीनियरिंग के एक प्रोफेसर भी हैं, ने कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी शाखा के रूप में सिविल इंजीनियरिंग की देश के भौतिक विकास तथा आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश की ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण एवं वास्तुकला के पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण सिविल निर्माण में नई तकनीकों और सामग्रियों की उपयोगिता बढ़ गई है, जिसने सतत विकास के दृष्टिगत इन तकनीकी विकासों के क्षेत्र में अनुसंधान की उपयोगिता का बढ़ा दिया है। अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सघन ढांचागत विकास और शहरीकरण के कारण पर्यावरण का क्षरण बहुत तेजी से हो रहा है और इससे पानी की गुणवत्ता, वायु प्रदूषण और कचरे के निपटान जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इन पर्यावरणीय मुद्दों और चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें अपनी विकास नीतियों और योजनाओं के साथ सतत विकास के सिद्धांतों को एकीकृत करना होगा। इसलिए, सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण वैज्ञानिक को पर्यावरण के संरक्षण के लिए नई तकनीकी प्रगति के साथ मिलकर काम करना होगा। इससे पहले, सिविल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। पर्यावरण विज्ञान की अध्यक्षा डॉ रेणुका गुप्ता ने सम्मेलन पर परिचय दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और नई दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों से प्राप्त हुए 70 से अधिक शोध पत्रों को सम्मेलन के विभिन्न आठ तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत किया जाएगा और गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रों को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

जरूरतमंद बच्चों की मदद का लिया संकल्प

परोपकार के लिए शुभ माने जाने वाले मकर संक्रांति का त्यौहार जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में मनाया गया और मकर संक्रांति पर जरूरतमंद बच्चों की मदद का लिया संकल्प लिया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने निर्माण मजदूरों के जरूरतमंद परिवार को प्रसाद वितरित करने के साथ उत्सव की शुरुआत की। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का समाज के प्रति उत्तरदायित्व होता है जोकि हमारे कर्तव्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न विकास परियोजनाओं में लगे मजदूरों के साधन से वंचित बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा उत्थान के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों से योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के लिए विशेष कक्षाओं की व्यवस्था द्वारा या किताबें, कपड़े या अन्य उपयोगी वस्तुओं के दान द्वारा उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

THE PIONEER

मकर संक्रांति पर जरूरतमंद की मदद का लिया संकल्प

फरीदाबाद। परोपकार के लिए शुभ माने जाने वाले मकर संक्रांति का त्योहार जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में मनाया और मकर संक्रांति पर जरूरतमंद बच्चों की मदद का लिया संकल्प लिया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने निर्माण मजदूरों के जरूरतमंद परिवार को प्रसाद वितरित करने के साथ उत्सव की शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का समाज के प्रति उत्तरदायित्व होता है जोकि हमारे कर्तव्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न विकास परियोजनाओं में लगे मजदूरों के साधन से वंचित बच्चों के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों से योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के लिए विशेष कक्षाओं की व्यवस्था द्वारा या किताबें, कपड़े या अन्य उपयोगी वस्तुओं के दान द्वारा उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कुलपति के आह्वान पर इस अवसर पर उपस्थित सभी डीन, चेयरपर्सन, फैकल्टी और स्टाफ ने इस नेक काम के लिए अपने-अपने तरीके से योगदान देने का आश्वासन दिया।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

PUNJAB KESARI

भौतिक तथा आर्थिक विकास में सिविल इंजीनियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका : सचदेवा

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन आज शुरू हो गया। इस सम्मेलन शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग ले रहे है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता

- **सतत विकास के लिए सिविल इंजीनियर्स एवं पर्यावरण वैज्ञानिकों को मिलकर काम करना होगा: प्रो. दिनेश कुमार**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सीएसआईआर-एनईईआरआई दिल्ली जोनल सेंटर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. के. गोयल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से प्रो. के. एन. झा, भारतीय भवन कांग्रेस, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, जो सिविल इंजीनियरिंग के एक प्रोफेसर भी हैं, ने कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी शाखा के रूप में सिविल इंजीनियरिंग की देश के भौतिक विकास तथा आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश की ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण एवं वास्तुकला के पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण सिविल निर्माण में नई तकनीकों और सामग्रियों की उपयोगिता बढ़ गई है, जिसने सतत विकास के दृष्टिगत इन तकनीकी विकासों के क्षेत्र में अनुसंधान की उपयोगिता का बढ़ा दिया है। अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

HINDUSTAN

आर्थिक विकास में सिविल इंजीनियर की अहम भूमिका

सम्मेलन

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हुआ।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि रहे। वहीं सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सीएसआईआर-एनईईआरआई दिल्ली जोनल सेंटर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके गोयल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से प्रो. केएन झा, भारतीय भवन कांग्रेस नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे।

150 प्रतिभागी भाग ले रहे

प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी शाखा के रूप में सिविल इंजीनियरिंग की देश के भौतिक विकास तथा आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस सम्मेलन में शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और छात्रों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

THE PIONEER

विकास में सिविल इंजीनियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. सचदेवा

फरीदाबाद। जेसी बोस विवि के सिविल इंजीनियरिंग विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार से शुरू हो गया। सम्मेलन शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग ले रहे है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सीएसआईआर-एनईईआरआई दिल्ली जोनल सेंटर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. के. गोयल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से प्रो. केएन झा, भारतीय भवन कांग्रेस, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

DAINIK JAGRAN

'सिविल इंजीनियरिंग की देश के भौतिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका'

D.J. 15-01-2021

जेसी बोस विश्वविद्यालय में दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ, देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 150 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। इस सम्मेलन शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, औद्योगिक विशेषज्ञों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा ले रहे है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सीएसआइआर-एनईईआरआई दिल्ली जोनल सेंटर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा.एसके गोयल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से प्रो.केएन झा, भारतीय भवन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि सबसे पुरानी शाखा के रूप में सिविल इंजीनियरिंग की देश के भौतिक विकास तथा आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश की ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण एवं वास्तुकला के पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण सिविल निर्माण में नई तकनीक और सामग्री की उपयोगिता बढ़ गई है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि सघन ढांचागत विकास और शहरीकरण के कारण पर्यावरण का क्षरण बहुत तेजी से हो रहा है और इससे पानी की गुणवत्ता, वायु प्रदूषण और कचरे के निपटान जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इन पर्यावरणीय मुद्दों और चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें अपनी विकास नीतियों और योजनाओं के साथ सतत विकास के सिद्धांतों को एकीकृत करना होगा। इससे पहले सिविल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. एमएल अग्रवाल ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। पर्यावरण विज्ञान की अध्यक्षा डा. रेणुका गुप्ता ने सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 15.01.2021

DAINIK BHASKAR

पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए हमें पर्यावरण से जुड़ना होगाः प्रो. वीरेंद्र कुमार

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। इसमें 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन सत्र में उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक तथा ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली से प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। निर्माण उद्योग विकास परिषद के वरिष्ठ सलाहकार बीआर चौहान विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने देश में विकास के साथ बढ़त जल एवं भूमि प्रदूषण के बारे में चिंता जताई। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पर्यावरण के बारे में किताबी ज्ञान पर्यावरणीय चिंता को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए संस्कृति और दर्शन को बदलना होगा। प्रैक्टिकल लर्निंग ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसके लिए विद्यार्थियों को कुछ दिनों के लिए नदी या गांवों के निकट रहकर पर्यावरण परिवर्तन को महसूस करना होगा। उन्होंने कहा आत्मनिर्भर गांवों और शहरों को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल अपनी व्यवस्था करनी होगी।